QuickNotes

FREE STUDY NOTES · PDF

UGC NET Paper 2

Prakrit · प्राकृत (091)

Complete revision notes — all 10 units

10 units | Tables & formulas | Key revision points

01 प्राकृत भाषाएँ: परिचय
02 प्राकृत के प्रमुख भेद
03 प्राकृत व्याकरण
04 श्वेतांबर आगम साहित्य
05 दिगंबर शौरसेनी साहित्य
06 प्राकृत काव्य
07 कथा और चरित साहित्य
08 नाटक और सट्टक
09 अपभ्रंश साहित्य
10 प्राकृत अभिलेख और छंद

getquicknotes.com

Edition: November 2026

CONTENTS

What's inside

Ten units of focused revision notes. Each unit ends with a box of key revision points.

01 **प्राकृत भाषाएँ: परिचय** — प्राकृत शब्द की व्युत्पत्ति और भेद। 3

02 **प्राकृत के प्रमुख भेद** — अर्धमागधी, शौरसेनी, महाराष्ट्री, मागधी, पैशाची। 4

03 **प्राकृत व्याकरण** — वररुचि से मार्कण्डेय तक। 5

04 **श्वेतांबर आगम साहित्य** — अंग, उपांग और वलभी वाचना। 6

05 **दिगंबर शौरसेनी साहित्य** — षट्खंडागम और कुंदकुंद। 7

06 **प्राकृत काव्य** — मुक्तक और महाकाव्य। 8

07 **कथा और चरित साहित्य** — जैन कथा-ग्रंथ और चरित-काव्य। 9

08 **नाटक और सट्टक** — संस्कृत नाटकों में प्राकृत और पूर्ण प्राकृत नाटक। 10

09 **अपभ्रंश साहित्य** — प्राकृत के बाद की अवस्था। 11

10 **प्राकृत अभिलेख और छंद** — अभिलेख, गाथा छंद और अलंकार। 12

How to use these notes

- Read one unit at a time, then test yourself with its key revision points.
- Make your own short notes on topics you find difficult.
- Units follow the main areas of the official syllabus — the exact unit list can change between sessions.
- Always check the latest syllabus and notices on the official UGC NET portal: **ugcnet.nta.ac.in**.

UNIT 01

प्राकृत भाषाएँ: परिचय

प्राकृत शब्द की व्युत्पत्ति और भेद।

- 'प्राकृत' — 'प्रकृति' (जनसाधारण / मूल) से; मध्य भारतीय आर्यभाषाएँ (लगभग 600 ई.पू.–1000 ई.)।
- विकास-क्रम — पालि और शिलालेखी प्राकृत → साहित्यिक प्राकृत → अपभ्रंश।
- अशोक के अभिलेख प्राकृत में; लिपि — ब्राह्मी और (उत्तर-पश्चिम में) खरोष्ठी।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- अशोक के अभिलेख — प्राकृत।
- अंतिम चरण — अपभ्रंश।
- खरोष्ठी — उत्तर-पश्चिम।
- मध्य भारतीय आर्यभाषा।

UNIT 02

प्राकृत के प्रमुख भेद

अर्धमागधी, शौरसेनी, महाराष्ट्री, मागधी, पैशाची।

प्राकृत	प्रयोग
अर्धमागधी	श्वेतांबर जैन आगम
शौरसेनी	दिगंबर जैन ग्रंथ; संस्कृत नाटकों में स्त्रियों और विदूषक का गद्य
महाराष्ट्री	प्राकृत काव्य — गाहासत्तसई, सेतुबंध; नाटकों के पद्य
मागधी	नाटकों में निम्न वर्ग के पात्र
पैशाची	गुणाढ्य की 'बड्डकहा' (बृहत्कथा)

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- जैन आगम — अर्धमागधी।
- दिगंबर ग्रंथ — शौरसेनी।
- काव्य — महाराष्ट्री।
- बृहत्कथा — पैशाची।

UNIT 03

प्राकृत व्याकरण

वररुचि से मार्कण्डेय तक।

- वररुचि — 'प्राकृतप्रकाश' (प्राचीनतम उपलब्ध प्राकृत व्याकरण)।
- हेमचंद्र — 'सिद्धहेमशब्दानुशासन' का अष्टम अध्याय (प्राकृत और अपभ्रंश)।
- मार्कण्डेय — 'प्राकृतसर्वस्व'; त्रिविक्रम — 'प्राकृतशब्दानुशासन'।
- ध्वनि-परिवर्तन — संयुक्त व्यंजनों का समीकरण (कर्म > कम्म), मध्यवर्ती व्यंजन-लोप।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- 'प्राकृतप्रकाश' — वररुचि।
- हेमचंद्र — अष्टम अध्याय।
- 'प्राकृतसर्वस्व' — मार्कण्डेय।
- कर्म > कम्म — समीकरण।

UNIT 04

श्वेतांबर आगम साहित्य

अंग, उपांग और वलभी वाचना।

- 12 अंग — आचारांग (प्रथम), सूत्रकृतांग, स्थानांग, समवायांग, भगवती (व्याख्याप्रज्ञप्ति) आदि; 12वाँ दृष्टिवाद लुप्त।
- आगमों का लेखन — वलभी वाचना, देवर्द्धिगणि क्षमाश्रमण (5वीं शताब्दी ई.)।
- उपांग, छेदसूत्र, मूलसूत्र (उत्तराध्ययन, दशवैकालिक), कल्पसूत्र (भद्रबाहु)।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- प्रथम अंग — आचारांग।
- लुप्त अंग — दृष्टिवाद।
- वलभी वाचना — देवर्द्धिगणि।
- कल्पसूत्र — भद्रबाहु।

UNIT 05

दिगंबर शौरसेनी साहित्य

षट्खंडागम और कुंदकुंद।

- षट्खंडागम — पुष्पदंत और भूतबलि; टीका 'धवला' (वीरसेन)।
- कसायपाहुड — गुणधर; टीका 'जयधवला'।
- कुंदकुंदाचार्य — समयसार, प्रवचनसार, पंचास्तिकायसार, नियमसार।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- षट्खंडागम — पुष्पदंत, भूतबलि।
- 'धवला' — वीरसेन।
- समयसार — कुंदकुंद।
- कसायपाहुड — गुणधर।

UNIT 06

प्राकृत काव्य

मुक्तक और महाकाव्य।

कृति	कवि
गाहासत्तसई (गाथासप्तशती)	हाल सातवाहन (संकलन)
सेतुबंध (रावणवहो)	प्रवरसेन
गउडवहो	वाक्पतिराज
लीलावई	कोउहल
वज्जालग्ग	जयवल्लभ (सुभाषित संग्रह)

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- गाहासत्तसई — हाल।
- सेतुबंध — प्रवरसेन।
- गउडवहो — वाक्पतिराज।
- वज्जालग्ग — सुभाषित संग्रह।

UNIT 07

कथा और चरित साहित्य

जैन कथा-ग्रंथ और चरित-काव्य।

- पउमचरियं — विमलसूरि (प्राकृत में जैन रामकथा)।
- कुवलयमाला — उद्योतनसूरि (779 ई.); 18 देशी भाषाओं के उल्लेख के लिए प्रसिद्ध।
- समराइच्चकहा — हरिभद्रसूरि; तरंगवईकहा — पादलिप्त।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- जैन रामकथा — पउमचरियं।
- कुवलयमाला — 779 ई.।
- समराइच्चकहा — हरिभद्र।
- तरंगवईकहा — पादलिप्त।

UNIT 08

नाटक और सट्टक

संस्कृत नाटकों में प्राकृत और पूर्ण प्राकृत नाटक।

- संस्कृत नाटकों में स्त्री और निम्न पात्र प्राकृत बोलते हैं (शाकुंतल, मृच्छकटिक)।
- सट्टक — पूर्णतः प्राकृत में रचित नाटक; राजशेखर — 'कर्पूरमंजरी'।
- मृच्छकटिक — प्राकृत भेदों की विविधता के लिए प्रसिद्ध।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- सट्टक — पूर्ण प्राकृत नाटक।
- 'कर्पूरमंजरी' — राजशेखर।
- मृच्छकटिक — अनेक प्राकृतें।
- स्त्री पात्र — शौरसेनी गद्य।

UNIT 09

अपभ्रंश साहित्य

प्राकृत के बाद की अवस्था।

- स्वयंभू — 'पउमचरिउ' (अपभ्रंश रामायण), 'रिट्ठणेमिचरिउ'।
- पुष्पदंत — 'महापुराण', 'णायकुमारचरिउ', 'जसहरचरिउ'।
- धनपाल — 'भविसयत्तकहा'; अब्दुल रहमान — 'संदेशरासक'।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- 'पउमचरिउ' — स्वयंभू।
- 'महापुराण' — पुष्पदंत।
- 'भविसयत्तकहा' — धनपाल।
- 'संदेशरासक' — अब्दुल रहमान।

UNIT 10

प्राकृत अभिलेख और छंद

अभिलेख, गाथा छंद और अलंकार।

- अभिलेख — अशोक के शिलालेख, खारवेल का हाथीगुम्फा अभिलेख (ओडिशा), सातवाहन अभिलेख (नासिक)।
- प्रमुख छंद — गाथा (आर्या), स्कंधक, दोहा (अपभ्रंश); छंदग्रंथ — 'वृत्तजातिसमुच्चय' (विरहांक), 'स्वयंभूछंद'।
- प्राकृत कोश — 'पाइयलच्छीनाममाला' (धनपाल), 'देशीनाममाला' (हेमचंद्र)।

★ मुख्य स्मरणीय बिंदु

- हाथीगुम्फा — खारवेल।
- गाथा — प्राकृत का प्रमुख छंद।
- 'देशीनाममाला' — हेमचंद्र।
- 'पाइयलच्छीनाममाला' — धनपाल।

QuickNotes

Learn Quickly. Prepare Smartly.

More free study notes

Free PDFs for UGC NET Paper 1, every Paper 2 subject, IBPS RRB and SSC CHSL — no sign-up.

www.getquicknotes.com

Free for personal study — not for sale. You may share this PDF unchanged and free of charge.

QuickNotes is an independent educational platform. It is not affiliated with, endorsed by or connected to the University Grants Commission (UGC), the National Testing Agency (NTA) or any government examination authority. These are original revision notes; always refer to the official notification for exam dates, eligibility, pattern and syllabus.

Found a mistake? Email support@getquicknotes.com · Edition: November 2026